हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
पालमपुर-हिमाचल प्रदेश

An ISO 9001-2000 Certified Institution

कृषि तकनीक, प्रक्रमण तकनीक और जैवतकनीक द्वारा हिमालय क्षेत्र की जैवसंपदा के विकास, उत्थान और स्थायी प्रबन्धन के लिए औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास का आधार तैयार करना आई.एच.बी.टी. का लक्ष्य है:

अपनी कार्यप्रणाली में निरन्तर सुधार के लिए संस्थान ने निम्नलिखित गुणवत्ता उद्देश्य निर्धारित किए गये हैं:

- **प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण**
- **गुणवत्तायुक्त शोध प्रकाशन एवं पेटेंट**
- **ज्ञान सहभागिता एवं प्रशिक्षण द्वारा ज्ञान प्रसार**
- **ग्राहक-संतुष्टि की सुनिश्चितता**
- **पर्याप्त संसाधन जुटाना**

हिमाचल प्रदेश की विशाल प्राकृतिक संपदा की खोज और दोहन के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार ने 70 के दशक में पालमपुर में सी.एस.आई.आर. की एक प्रयोगशाला खोलने के लिए पहल की थी। यह सपना 1983 में इस संस्थान की स्थापना के साथ ही पूरा हुआ। सी.एस.आई.आर. अर्थात वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली मुख्यत: सभी वैज्ञानिक तथा तकनीकी क्षेत्रों में कार्यरत है।

हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान पालमपुर नगर में पालमपुर-बैजनाथ मार्ग पर स्थित है। संस्थान पिछले दो दशकों से हिमालयी जैवसंपदा के स्थायी उपयोग के लिए प्रौद्योगिकी को विकसित करने में जुटा हुआ है। अनुसंधान के परिणाम स्वरुप ही संस्थान ने बहुत सी प्रौद्योगिक इकाईयां विकसित की हैं। प्रदेश की समृद्ध जैवविविधता को संरक्षित करने के अतिरिक्त संस्थान ने प्रदेश भर में लघु तथा कुटीर उद्योगों को स्थापित करने की राह दिखाई है। इसके अतिरिक्त समाज के विभिन्न वर्गों में रोजगार के अवसर भी बढ़ाए हैं।

अनुसंधान परिदृश्य

जैवविविधता

आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पादप संसाधनों की खोज, क्षेत्र की जैवसंपदा का संरक्षण, प्राचीन एवं परम्परागत ज्ञान का प्रलेखन, लुप्तप्राय: प्रजातियों की मॉलिक्यूलर एवं सुदूर संवेदी तकनीक द्वारा खोज तथा उनका उपयोग

प्राकृतिक पादप उत्पाद

प्राकृतिक रंग और रंजक सहित उपयोगी औषधीय एवं सगंध पौधों का सर्वेक्षण, पालन और रासायनिक विश्लेषण, कुछ औषधीय पौधों की कृषि तकनीकी पैकेज, प्रगतिशील उत्पादकों को गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए पौधशाला तैयार करना, उनके उत्पादों के विपणन हेतु वाणिज्य संभावनाएं तलाशना एवं उद्यमियों को उनके उत्पादों हेतु तकनीकी सहयोग करना।

जैवप्रौद्योगिकी

चाय, बांस, गुलाब, पुष्प और औषधीय एवं सगंध पौधों के सूक्ष्म प्रवर्धन के लिए पादप उत्तक संवर्धन, मॉलिक्यूलर बॉयोलॉजी के लिए डी.एन.ए. फिंगरप्रिंटिग, जीन क्लोनिंग एवं ट्रांसजेनिक पौध, पादप गुण व्यवहार हेतु पादप कार्यिकी तथा जैवरासायनिकी।

चाय प्रौद्योगिकी

बंजर एवं उज़ड़े हुए चाय बागानों का सर्वेक्षण एवं जीर्णोद्धार, चाय उत्पादन के लिए नये क्षेत्रों की खोज, उच्च गुणवत्तायुक्त चाय की किस्मों का विकास, गुणवत्ता सुधार के लिए चाय जैवप्रौद्योगिकी, चाय उत्पादों में विविधता लाना, चाय निर्माण में लागत कम करने के लिए उपयोगी मशीनों का निर्माण, चाय में कीट विनाशक अवशेष का परीक्षण तथा चाय के क्षेत्र में विस्तारपूर्वक परामर्श सेवाएँ।

पुष्पविज्ञान

बहुत से सामान्य पुष्पों का व्यावसायिक दृष्टि से उत्पादन, गुणवत्ता सुधार, प्रगतिशील किसानों को गुणवत्तायुक्त पादप सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए पौधशाला निर्माण, पुष्प व्यापार हेतु मार्गदर्शन, विषाणुरहित पुष्प पौधों को तैयार करने के लिए शोध एवं विकास कार्य एवं दूसरे क्षेत्रों के पौधों को स्थानीय परिस्थितियों में उगाने के अनुकूल बनाना।

उपलब्धियां

उत्तक संवर्धन तकनीक द्वारा तैयार पौधों में विषाणु परीक्षण हेतु राष्ट्रीय सुविधा, आयातित पौधों को संगरोधक करना, गुणवत्तायुक्त चाय निर्माण, चाय एवं जड़ी-बूटियों में कीट-विनाशकों का विश्लेषण, सुगंधित गुलाब, ग्लेडियोलस और जंगली गेन्दे की किस्में विकसित

मशीनें: लघु आसवन इकाई, चाय तुड़ाई मशीन, चाय विदरिंग मशीन, स्टेरीफ्लो, जैल ट्रांसफॅर डिवाइस और रूटिगं वेसल

प्रोटोकॉल विकसित : बांस, चाय, गुलाब, लिली और आर्किड

विकसित कृषि तकनीक : चाय, सुगंधित गुलाब, जिरेनियम, जंगली गेन्दे, लिली, बर्ड ऑफ पेराडाइज, गुलदाउदी, स्टीविया, एलस्ट्रोमेरिया परियोजना निर्माण और मूल्यांकन, परामर्श सेवाएं, सह-अनुसंधान, टर्न-की वेन्चर, पौध विषाणु परीक्षण, सगंध और औषधीय पौधों का रासायनिक विश्लेषण, प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशाला और मीडिया (प्रिंट एवं इलैक्ट्रोनिक) द्वारा सूचना का प्रसार

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

डा. परमवीर सिंह आहूजा, निदेशक

दूरभाष :01894- 230411 फैक्स : 01894-230433

E-mail: director@ihbt.csir.res.in, Website http://w3ihbt.csir.res.in